**भारत सरकार**
**संस्कृति मंत्रालय**
**लोक सभा**
**तारांकित प्रश्न संख्या: *191**
**उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 05 अगस्त, 2024**
**14 श्रावण, 1946 (शक)**

**सांस्कृतिक विरासत स्थलों का संरक्षण**

***191 कुमारी सुधा आर.:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा पूमपुहार और तिरूविदईमरूथुर जैसे समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों के संरक्षण और संवर्धन के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस प्रयोजनार्थ अब तक आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन क्षेत्रों में प्राचीन मंदिरों और स्मारकों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए किन्हीं विशिष्ट योजनाओं का ब्यौरा क्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**संस्कृति और पर्यटन मंत्री**
**(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**लोकसभा में दिनांक 05.08.2024 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *191 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण**

(क): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण देशभर में 3697 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों और स्थलों के संरक्षण और परिरक्षण का कार्य करता है, जिसमें पल्लवरेश्वरम, मेलइयुर (कावेरीपट्टिनम) जिला मयिलाडुतुरै में बौद्ध विहार और मंदिर के उत्खनित अवशेष, जिन्हें पूम्पुहार के नाम से भी जाना जाता है, शामिल हैं । संरक्षित स्मारकों और स्थलों का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है और स्मारकों के संरक्षण और परिरक्षण के उपाय आवश्यकता, प्राथमिकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किए जाते हैं। इसके अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विश्व धरोहर दिवस, विश्व धरोहर सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आदि अवसरों पर संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। तिरूविदाईमारूदुर, जिला तंजावुर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षणाधीन नहीं है।

(ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य के पूम्पुहार, मयिलाडुतुरै जिले में संरक्षण एवं परिरक्षण कार्य पर किए गए व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(राशि लाख रूपये में)

| क्र.सं. | वर्ष | व्यय |
|---|---|---|
| 1. | 2021-22 | शून्य |
| 2. | 2022-23 | 9.07 |
| 3. | 2023-24 | 3.92 |

(ग): पल्लवेरेश्वरम, मेलइयुर(कावेरीपट्टिनम) जिला मयिलाडुतुरै में स्थित बौद्ध विहार और मंदिर के उत्खनित अवशेष में संरक्षण और विकास कार्य शुरू किए गए हैं, जैसे उत्खनित अवशेषों में रेवेन्टमेन्ट दीवार बनाना और संकेतक, बैंच और सोलर लाइट जैसी जन सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

तंजावुर जिले के अधीन चार केंद्रीय संरक्षित स्मारक आते हैं जिनमें से तंजावुर में विश्व धरोहर स्थल वृहदेश्वर मंदिर और तीन मयिलाडुतुरै जिले में हैं।

पिछले तीन वर्षों के दौरान तंजावुर जिला और मयिलाडुतुरै जिले में स्थित इन स्मारकों पर किया गया व्यय निम्नानुसार है:

(राशि लाख रूपए में)

| क्र.सं. | वर्ष | व्यय | |
|---|---|---|---|
| | | तंजावुर जिला | मयिलाडुतुरै जिला |
| 1. | 2021-22 | 33.00 | 1.65 |
| 2. | 2022-23 | 157.00 | 17.00 |
| 3. | 2023-24 | 173.36 | 10.20 |

स्मारकों/स्थलों का संरक्षण और परिरक्षण एक सतत् प्रक्रिया है और इसे राष्ट्रीय संरक्षण नीति 2014 का अनुपालन करते हुए स्मारक/स्थल की आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है।

*****